

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྟེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3MS261	ImageGroup:	I3MS377
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	མདོ་སྐད་དན་ཏིག་དགོན་གྱི་ཚོ་ཏན་སྐར་བར་བཞུགས་པའི་རྩེ་འཛིགས་མེད་རིགས་པའི་སློ་བློས་གྱི་ ཡུག་དཔེ་གལ་ཆེན་རྣམས་ཕྱོགས་གཅིག་ཏུ་བཀོད་པ། mdo smad dan tig dgon gyi tshe tan sgar bar bzhugs pa'i rje 'jigs med rigs pa'i blo gros kyi phyag dpe gal chen rnams phyogs gcig tu bkod pa/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	115
Total Volumes:	208
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Scanned in partnership with Tibetan Buddhist Resource Center, Cambridge, MA, USA. Comments: DPL480 RFP 85

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

志 第 四 卷

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहं कुरुष्वंशोऽयं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः संजय ॥ २ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ४ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ५ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ६ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ७ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ८ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ९ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १० ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ११ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १२ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १३ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १४ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १५ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १६ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १७ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १८ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ १९ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २० ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २१ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २२ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २३ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २४ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २५ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २६ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २७ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २८ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ २९ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

卷八

45

2007

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2

卷六

५०५

209

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12



५०७५५

[illegible]

[illegible]



[illegible]

1859 - 1860
1861 - 1862

2

卷之四

[illegible]

2

4

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1
[Text in a historical script, likely Tibetan, written in a single line within a rectangular frame. The text is highly stylized and appears to be a religious or philosophical passage. It begins with a large initial character on the left and ends with a large final character on the right. The script is dense and fills the majority of the frame.]

四

169

[illegible]

卷之四



[illegible]

[illegible]

[illegible]

12

20

21

20

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

五言古詩

[illegible]

萬壽無疆

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཡང་ན་ཚེ་མ་ཐུག་གིས་ཡལ་བ་ཏེ་ན་ནས་ཐུག་སུངས་པ་ཡང་མི་འཐད་དེ། དབང་བསྐྱར་པ་འོ་ལས་རུང་གི་བརྟེན་པ་ལ། གུ་བ་ཆེ་ན་མ་ར་མེ་མཛོད་པ་བཟང་པོ་དང་། གུ་བ་ཆེ་ན་མ་པོ་སྤྱོད་པ་དང་། དཔལ་འཛིན་དང་། དེ་ན་པོ་དཔལ་པས་
སོགས་ཀྱིས་ཀྱང་བསྐྱེད་རིམ་ཐུན་པ་ཁིར་བསྐྱོམས་ནས་ལྷ་ས་གནས་པ་བྱེད་པ་དང་། ཡང་ན་ཏེ་དེ་འཛིན་བརྟེན་ནས་སེམས་དག་པ་འི་མ་ཚེ་ན་མ་ཁི་བརྟེན་པ་རྟེན་པ་ཐོབ་པ་དང་། ཡང་ན་གཙོ་བོ་ལ་འབྱུང་། འཕོ་རྒྱལ་ས་ལ་ཕྱི་
ཐུག་སོགས་ཐུགས་པས་ཚེ་ག་པར་བ་ཤད་ཀྱི། བདག་བསྐྱེད་མ་གཏོགས་པ་མ་དུ་བསྐྱེད་པ་དམིགས་ནས་འདོན་པ་བྱུང་ཆེ་མཁའ་མཁའ་ཤད་པ་འཛིན་ཀྱིར། གུ་བ་ཆེ་ན་དཔལ་འཛིན་གྱི་དབྱེད་པ་ག་གི་དེ་ལ་ཚེ་ག་ལས། དང་པོར་
ཆེད་ས་པ་འི་གནས་པ་ཁི་དང་ལྷ་ན་པ་འི་རྒྱ་ལ་འཁྱེད་པ་འགྲོ་བ་ག་དོན་པ་འི་བསམ་པ་ཅན་གྱིས་རང་ཏེ་དབྱེད་པ་པ་འཛིན་ཀྱིར་མ། མཁའ་ལྷ་ན་ག་ཏེ་ས་མཁའ་ལྷ་ག་ཐུག་པ་སོ་ལ་པ་འདེབས་པ་དེ་ཏེ་ས་ཐུག་བྱུང་པ་ཐུག་པ་འཛིན་ཀྱིར། ག་ལ་
ཏེ་དེ་ལ་ལ་པོར་ལྱི་པ་ར་འདོད་ཀྱི། དེ་ས་ལྷ་འཁྱེད་པ་ཁི་སོ་ན་དུ་འགྲོ་བ་འི་བསྐྱེན་པ་འི་ཚེ་ག་ཐུག་པ་ཆེ་མཚེ་མ་ལྷ་ན་པ་དག་གི་ན་ཏེ་ག་ཁི་དཔག་པོ་འི་སྤྱལ་མཁའ་ལྷ་ཐུག་པ་ལྷ་ཁི་དང་། མཏི་ཐུག་པ་གི་ན་ཏེ་ག་ཁི་དཔག་པོ་འི་སྤྱལ་མཁའ་ལྷ་ཐུག་པ་ལྷ་ཐུག་པ་
ཀྱི་ཕྱི་བྱུང་པ་ལས། བཅོམ་ལྷ་ན་འདས་ཀྱི་ཏེ་ས་ཐུག་ཚེ་ན་མ་ཐོབ་པ་ལས། རང་གི་སེམས་དག་པ་འི་སྤོ་ན་མ་འཁྱེད་པ་ཐུག་ཀྱི། ཁེས་དང་། དེ་ལ་ཁི་བརྟེན་གུ་བ་ཆེ་ན་མ་པོ་སྤྱོད་པ་པོར་པོ་དཔལ་འཛིན་གྱི་ལ་ཚེ་ག་ལས། དེ་ཁི་དེ་ས་ཐུག་པ་ལས།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四

13

○

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

39।
[Text in Tibetan script, likely a historical or administrative document. The text is written in a cursive style and is partially obscured by a vertical line on the left side.]

[illegible]

[illegible]

ॐ । अथ द्वादशवर्षस्य मन्त्रः । सुमर्त्यवर्षस्य । अथ द्वादशवर्षस्य मन्त्रः । सुमर्त्यवर्षस्य ।

1957年5月
第2期

日 參 上 下 午 各 一 回

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् ।
 ॐ । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् ।
 ॐ । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् ।
 ॐ । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् । दृष्टं विदुः परं प्रदत्तम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



| | | | |
|--|-----|-------------|--|
| | ५७१ | विश्वनाथसुख | |
|--|-----|-------------|--|

५७१
५७२

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

275

四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



२७। पदेवैव सुदेवैव सदा सदा वैवैव सुदेवैव

五名

999

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७ ७७। ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

